(NEP- 2020 का कार्यान्वयन: उच्चतर शिक्षा के संबंध में)

शिक्षा देश की प्रगति का आधार है। सभी को शिक्षा का अधिकार एवं शिक्षित समाज का निर्माण हमारी संवैधानिक ही नहीं नैतिक ज़िम्मेदारी भी है।

मुझे बहुत प्रसन्नता है कि कुलाध्यक्ष महोदय जी की प्रेरणा से **"राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के कार्यान्वयन और उच्चतर शिक्षा"** विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में भाग लेने का गौरव हम सबको प्राप्त हुआ है। हमारा परम सौभाग्य है कि आज के सम्मेलन में महामहिम राष्ट्रपति जी का मार्गदर्शन हमें प्राप्त होगा।

युवा भारत की आकांक्षाओं के अनुरूप नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020, जुलाई 29 को जारी की गई और तब से लेकर देश भर में इस पर व्यापक चर्चाएं आयोजित हो रही हैं।

नीति निर्माण (Policy Formation) एक मूलभूत एवं नीतिगत विषय है और **नीति क्रियान्वयन (Policy Implementation)** रणनीतिक विषय है। इन दोनों के बीच सबसे अहम रोल **लीडरशिप** का होता है। ऐसी **लीडरशिप जो नीति को ज़मीन पर उतार सके।**

इसी लीडरशिप को ध्यान में रखकर आज **शैक्षिक जगत के सभी लीडर** एक साथ एक ऑनलाइन मंच पर उपस्थित हुए हैं। किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान का वाइस चांसलर या किसी भी संस्थान का निदेशक, महानिदेशक वहां का प्रमुख लीडर होता है। हम आप सभी लीडरों से अपेक्षा रखते हैं कि **भारतीय शिक्षण प्रक्रिया का विकेंद्रीकरण (Decentralisation) और सशक्तिकरण** आपके माध्यम से होगा और **शिक्षा की नई लहर भारत के हर छात्र और हर कोने तक पहुंचेगी।**

7 sep 2020 राज्यपालों के सम्मेलन में राष्ट्रपति जी के आशीर्वचन और नीति के कार्यान्वयन हेतु आह्वान तथा माननीय प्रधान मंत्री जी से सम्बोधन से शिक्षा जगत में एक नई स्फूर्ति और ऊर्जा का संचार हुआ है।

हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री जी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत उच्चतर शिक्षा में परिवर्तनकारी सुधार पर 7 अगस्त 2020 को आयोजित सम्मेलन में कुलपतियों को संबोधित करते हुए यह आह्वान किया था कि नीति के कार्यान्वयन के लिए **रणनीति बने और इस पर देशव्यापी चर्चा हो ताकि इस नीति को लागू करने में अधिकाधिक सहायता प्राप्त हो।**

शिक्षा पर्व के तहत 11 सितंबर को भी प्रधान मंत्री जी ने स्कूली शिक्षा पर आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में शिक्षकों, छात्रों, अभिभावकों, संगठनों, गैर सरकारी संस्थानों को संबोधित करते हुए उनसे शिक्षा नीति के कार्यान्वयन के लिए एक साथ मिलकर सहयोग करने के लिए कहा।

इसी क्रम में 16 सितंबर को भी **NSS, NYKS/NCC तथा उन्नत भारत अभियान** के समन्वयकों के सम्मेलन में माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी तथा युवा मामलों और खेल मंत्रालय के राज्य मंत्री, श्री किरेन रिजीजू जी ने हम सबसे जुड़कर अपने दूरदर्शी और प्रेरणादायक विचारों से हमें प्रोत्साहित किया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 नए भारत की, नई उम्मीदों की, नई आवश्यकताओं की पूर्ति का माध्यम है और राष्ट्रीय शिक्षा नीति की इस यात्रा के पथ-प्रदर्शक देश के शिक्षक हैं। यह शिक्षा नीति स्वतंत्र भारत की प्रथम भारत - केंद्रित शिक्षा नीति है जो अपनी संस्कृति में निहित सशक्त नागरिक मूल्यों के सापेक्ष विकास की संकल्पना को मूर्त रूप प्रदान के साथ आर्थिक विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए आधार स्तम्भ साबित होगी।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का निहित उद्देश्य भारत सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों और पहलों के साथ सामंजस्य स्थापित करना और अपनी समस्याओं के समाधान को मजबूत बनाना है।

वर्त्तमान शिक्षा नीति को तैयार करने में जमीनी स्तर पर **व्यापक परामर्श और सुझावों की एक अभूतपूर्व प्रक्रिया** के माध्यम से राष्ट्रव्यापी विमर्श कर शैक्षिक संकल्पना में लोगों की विविधता और बहुसांस्कृतिक आकांक्षाओं और अपेक्षाओं का ध्यान रखा गया है।

इस नीति के क्रियान्वयन हेतु हमें **5D मॉडल** के साथ आगे बढ़ना होगा। 5D अर्थात;

Discuss (डिसकस),

Debate (डिबेट),

Decide (डिसाइड),

Disseminate (डिसेमिनेट) तथा

Deliver (डिलीवर)।

विश्वविद्यालय का कुलपति या संस्थान के निदेशक होने से पहले आप सभी **एक शिक्षक एक मार्गदर्शक हैं**। शिक्षक इस नीति का वह टूल है जिस पर पूरी नीति का कार्यान्वयन निर्भर करता है। एक ओर छात्र जहां Centre of Gravity (केंद्रबिंदु) हैं तो शिक्षक उसका Focal Point (फोकल पॉइंट)।

नई शिक्षा नीति के जो **दो प्रमुख ब्रांड एंबेसडर** हैं उनमें से एक **छात्र** और दूसरे आप सभी **शिक्षाविद्** लोग हैं। आपको अपने यूनिवर्सिटी, संस्थान या अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी क्षेत्रों में NEP के लिए **एक्शन प्लान बनाने की जरूरत है।**

न केवल एक्शन प्लान बल्कि **उस एक्शन प्लान को एक टाइमलाइन से जोड़कर,** कैसे क्रियान्वित किया जा सकता है, इस पर काम करने की जरूरत है। हम **विश्वविद्यालय, संस्थानों की ऑटोनॉमी (□□□□□□□□□□), उनके प्रशासन, उनके सशक्तिकरण (Empowerment) और विकेंद्रीकरण** के लिए प्रतिबद्ध हैं।

साथ ही हम अपने शैक्षणिक संस्थाओं की **गुणवत्ता, पाठ्यक्रम आदि को वैश्विक मंच पर स्थापित करने और वैश्विक मानकों के अनुकूल बनाने के लिए** भी प्रयासरत हैं।

स्टडी इन इंडिया - स्टे इन इंडिया को एक ब्रांड के रूप में बनाने की दिशा में अग्रसर हैं ताकि विश्व के सर्वश्रेष्ठ संस्थान हमारे यहां आकर अपना कैंपस खोल सके और इसी तरह हमारे संस्थान भी विदेशों में अपने कैंपस खोल सके।

शिक्षा जगत में **ग्लोबल पार्टनरशिप** के माध्यम से एक सामूहिक साझेदारी भी हमें विकसित करनी है जिससे **हमारी संस्कृति, विविधता और हमारे देश की सॉफ्ट पावर** को और भी मजबूती मिलेगी।

आप सभी शैक्षिक लीडरों से मेरा अनुरोध है कि **सिर्फ GER बढ़ाना हमारा लक्ष्य नहीं होना चाहिए बल्कि ज्ञान, विज्ञान, अनुसंधान, टैलेंट, पेटेंट, आर्ट, एसथेटिक्स** हर क्षेत्र में आगे बढ़ना है और आत्मनिर्भर बनना है।

मैं आपका ध्यान ऐसे कदमों पर लाना चाहता हूं जो राजनीतिक प्रतिनिधियों, अनुसंधानकर्ताओं, शिक्षकों, विद्यार्थियों, वास्तव में सभी से तालमेल रखते हैं। हमने शासन, राज्य तथा राज्यों के जनसंचार माध्यमों तथा शिक्षा संस्थानों द्वारा संचालित अनेक कार्यबिंदुओं पर व्यापक विचार-विमर्श किया है।

एनईपी पर चर्चा करने के लिए व्यापक स्तर पर विशेषज्ञों द्वारा वेबिनार आयोजित किया जा रहा है। एनईपी के दृष्टिकोण को जनता तक पहुंचाने के लिए एक राsthrvapi

प्रचार योजना निर्मित हुई है। आप सब भी इस बात पर विचार करें कि हम नई शिक्षा नीति के ज्ञान को आम जनता तक कैसे पहुंचा सकते हैं!

योजना को लागू करने के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों/संस्थानों में अपने-अपने विषयों के विशेषज्ञ, प्रोफेसर/शिक्षाविदों की **टास्क फोर्स** गठित की जा सकती हैं। यह टास्क फोर्स नीति से जुड़े प्रत्येक प्रावधान पर विस्तृत विमर्श करके लागू करने के नए तरीकों का ईजाद कर सकती है।

<u>व्यवधान से समाधान की ओर बढ़ना है</u> - नीति के क्रियान्वयन में **प्रशासनिक स्तर तथा वैचारिक स्तर अथवा किसी भी स्तर पर** आने वाले व्यवधानों का समाधान करना है। नीति के संबंध में विभिन्न **वेबीनार, वर्कशॉप (□□□□□□□□□), पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन, डिजिटल माध्यम, ऑनलाइन शिक्षण-प्रशिक्षण, विश्वविद्यालय स्तर पर डिबेट, निबंध, क्विज़ आदि जैसे प्रतियोगिताएं आयोजित कर जागरूकता फैला सकते हैं।**

अनिश्चितता से निश्चितता की ओर, अस्थिरता से स्थिरता, संवादहीनता से संवाद की ओर व विवाद से विश्वास - शिक्षा नीति बहुत ही आशावादी भी है और भविष्यवादी भी।

इस कार्यान्वयन में **केंद्रीय एवं राज्य विश्वविद्यालयों, प्रशिक्षण संस्थानों, NCERT, SCERTs, UGC, AICTE, CABE, स्कूलों, कॉलेजों, शिक्षकों, केंद्र तथा राज्यों के अन्य स्वायत्त निकायों आदि में विभिन्न भागीदारों की भूमिकाएं** सुनिश्चित करने की जरूरत है।

साथ ही NEP की मुख्य विशेषताओं को आम जनता तक पहुंचाने के लिए **प्रिंट और सोशल मीडिया** को उपयोग में लाया जाना चाहिए। विभिन्न विषयों से जुड़े **प्रोफेसर और शिक्षकों को एनईपी की व्याख्या के लिए आगे आना चाहिए।**

आप सभी **कुलपतियों, संस्थाओं, शिक्षाविदों** सभी से मेरा अनुरोध है कि इस बारे में **बिना किसी संकोच व पूर्वाग्रह के अपने सुझाव दें।** यह देश की नीति है जिसमें सबका हित निहित है। जिस प्रकार का विस्तृत विमर्श, मंथन और चिंतन नीति के प्रथम चरण में मिला वैसी ही समावेशी सोच के साथ क्रियान्वयन में भी हमें सबका साथ, सबका विश्वास मिलेगा।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि **कश्मीर से कन्याकुमारी तक तथा कच्छ से अरुणाचल तक सभी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी और देश का हर छात्र शिक्षित मानव सम्पदा के रूप में एक ताकत बनकर आत्मनिर्भर, शिक्षित और सशक्त भारत के निर्माण में एक निर्णायक भूमिका निभाएगा।**

निश्चित ही यह नीति राष्ट्र के मेक **इन इंडिया, स्किल इंडिया, स्टार्ट-अप इंडिया और आत्मनिर्भर भारत** के मिशन को साकार बनाने के लिए मानवीय मूल्यों के साथ ज्ञान विज्ञान अनुसंधान प्रद्योगिकी तथा नवाचार को समाहित करते हुए भारत के विश्वगुरु बनने के संकल्प के में पथप्रवर्तक साबित होगी ।

मैं आशा करता हूँ कि शिक्षक से लेकर अभिभावक तक, संस्थानों से लेकर शिक्षाविदों तक, सचिव से लेकर शिक्षामंत्री तक हम सब मिलकर अपने स्तर पर इस नीति को **वो नेतृत्व दें, दिशा दें और ऊर्जा के साथ क्रियान्वयन** करें जिससे हम राष्ट्रीय स्तर पर एक **क्रांतिकारी बदलाव** ला पाएं। **एनर्जी (Energy) और साथ में सिनर्जी (Synergy) भी लानी होगी .**

आप सभी के **सुझाव, चिंतन, सहयोग, समन्वय एवं सहभागिता** से हम इस शिक्षा नीति को बिना देरी के क्रियान्वयन की दिशा में आगे बढ़ाएंगे।

भारत 'ज्ञान □□□शक्ति' के रूप में उभरे, जरूरी है कि **प्रधानमंत्री जी** के मंत्र '**सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास**' को हम बिना पूर्वाग्रह के अपनाये और प्रधानमंत्री के नेतृत्व में एवं **महामहिम राष्ट्रपति जी के संरक्षण** में '**टीम इंडिया**' **के रूप में** '**इंडिया फर्स्ट**' की सोच के साथ आगे बढ़कर अपना योगदान दें।

धन्यवाद

जय हिंद